

2/283038/25  
संख्या—

/XXVIII-3-25-e file No.29061/2022

प्रेषक,

डॉ० आर राजेश कुमार,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अनु०-03

देहरादून, दिनांक: 17 मार्च, 2025

विषय:-वित्तीय वर्ष 2024-25 में SASCI(Scheme for special Assitance to the state for Capital Investments Part -XII) के अंतर्गत जनपद देहरादून के अन्तर्गत 300 शैय्यायुक्त मैटरनिटी एवं कैंसर चिकित्सालय हर्वाला के निर्माण कार्य की पुनरीक्षित आगणन की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने कार्यालय के पत्र संख्या: 7प/1/निर्माण/46/2016/21179 दिनांक 14.08.2024 और पत्र संख्या-7प/1/निर्माण/46/2018/3566 दिनांक 10.02.2024 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसके माध्यम से कमशः जनपद देहरादून के अन्तर्गत 300 शैय्यायुक्त मैटरनिटी एवं कैंसर चिकित्सालय हर्वाला के निर्माण कार्य की पुनरीक्षित आगणन कमशः लागत ₹ 13712.00 लाख और पुनः प्लिंथ एरिया की दरों पर तैयार संशोधित आगणन ₹ 12840.53 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2. इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद देहरादून के अन्तर्गत 300 शैय्यायुक्त मैटरनिटी एवं कैंसर चिकित्सालय हर्वाला के निर्माण कार्य को पूर्ण किये जाने हेतु कार्यदायी संस्था ब्रिज एण्ड रूफ लि० द्वारा अपने निर्माणकर्ता फर्म के साथ हुये EPC अनुबंध अनुसार प्लिंथ एरिया की दरों पर उपलब्ध कराये गये संशोधित आगणन लागत ₹ 12840.53 करोड़ के टी०ए०सी०, नियोजन और व्यय-वित्त समिति के परीक्षणोपरांत औचित्यपूर्ण/संस्तुत लागत ₹ 12583.23 लाख (रु. एक अरब पच्चीस करोड़ तिरासी लाख तेईस हजार मात्र) (मूल आगणन की स्वीकृत धनराशि ₹ 10684.70 लाख + अतिरिक्त लागत ₹ 1898.53 लाख ) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में SASCI Part-XII (Scheme for special Assitance to the state for Capital Investments Part-XII) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि ₹ 1000.00 लाख(₹ दस करोड़ मात्र) संलग्न अलॉटमेंट आई०डी० के विवरणानुसार निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- उक्तानुसार अनुमोदित/स्वीकृत धनराशि से ही कार्य को समयबद्ध/गुणवत्तापूर्वक संपन्न कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा एवं आगणन का पुनरीक्षण किसी स्थिति में स्वीकार्य नहीं किया जाएगा।

- ii. उक्तानुसार निर्माण कार्य एवं खर्च में गति लायी जायेगी तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित समयावधि के अंदर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- iii. भवन का निर्माण कार्य IPHS के मानकों के अनुसार कराया जाय।
- iv. भवन में Green Building के मानकों के अनुसार आवश्यक प्राविधान किये जाय।
- v. अग्नि सुरक्षा हेतु परिसर में Inbuilt Fire Safety Mechanism का प्राविधान किया जाय तथा नवीनतम तकनीक का प्रयोग किया जाय। कार्य कराये जाने से पूर्व अग्नि सुरक्षा के कार्यों के प्राविधान को अग्नि सुरक्षा विभाग से वैट अवश्य कराया जाय तथा कार्य पूर्ण होने के पश्चात् अग्नि सुरक्षा के कार्यों को मानकों के अनुसार पूर्ण किये जाने का प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त कर लिया जाय।
- vi. परिसर में विद्युतीकरण के प्राविधानों का विशेष ध्यान रखा जाय। समस्त विद्युत् उपकरणों हेतु आई०ई०सी०-62561-7 के मानकों के अनुसार Earthing का कार्य तथा आकाशीय विद्युत् से बचाव हेतु Lightning Protection System IEC62305 मानकों के अनुरूप स्थापित किया जाय। कार्य प्रारम्भ किये जाने से पूर्व विद्युतीकरण के प्राविधानों को सम्बन्धित विभाग से Vett करा लिया जाय तथा कार्य पूर्ण होने के पश्चात् विद्युतीकरण के कार्यों को मानकों के अनुसार पूर्ण किये जाने का प्रमाण पत्र विद्युत् सुरक्षा विभाग से अवश्य प्राप्त कर लिया जाय। विद्युतीकरण के कार्यों को विद्युत्/यांत्रिक अभियन्ताओं से ही सम्पादित कराया जाय।
- vii. तृतीय पक्ष गुणवत्ता एजेन्सी से तृतीय पक्ष गुणवत्ता परीक्षण अवश्य कराया जाय।
- viii. आगणन में दरें अनुबन्ध के आधार पर गयी हैं, जिन मदों की दरें शिड्यूल ऑफ रेट्स में उपलब्ध नहीं हैं उन मदों की सामग्री की दरों को जैम/बाजार से नियमानुसार प्राप्त करते हुए दर विश्लेषित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन के उपरान्त ही इन मदों का कार्य कराया जाय।
- ix. योजना क्रियान्वयन में Cost Effectiveness एवं Energy efficiency के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
- x. योजना क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक नियम एवं विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- xi. परिसर भवन में स्वतः स्वच्छता की निरन्तर व्यवस्था हेतु प्राविधान अवश्य किये जाय।
- xii. परियोजना की लागत पुनरीक्षित होने पर वास्तुविद् आदि की Fee में कोई वृद्धि नहीं होगी। वास्तुविद्/परामर्शी सेवायें लिये जाने हेतु वित्त अनुभाग-7 के शासनादेश संख्या-96873 दिनांक 07 फरवरी, 2023 का अनुपालन अवश्य किया जाय।
- xiii. प्रश्नगत कार्य हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 में SASCI(Scheme for special Assitance to the state for Capital Investments) के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए धनराशि का व्यय किया जायेगा।
- xiv. अवमुक्त धनराशि व्यय करने के उपरांत भौतिक एवं वित्तीय प्रगति व उपयोगिता प्रमाण-पत्र के साथ अवशेष धनराशि राज्य सैक्टर के सुसंगत अनुदान/लेखाशीर्षक से अवमुक्त किये जाने का प्रस्ताव शासन को पृथक से उपलब्ध कराया जायेगा।
- xv. प्रश्नगत कार्य के संबंध में विभागीय व्यय समिति की बैठक दिनांक 07.01.2025 और दिनांक 20.02.2025 तथा व्यय-वित्त समिति की बैठक दिनांक 04.03.2025 के क्रम में निर्गत कार्यवृत्तों में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- xvi. अवमुक्त की जा रही धनराशि उसी कार्य के सापेक्ष व्यय की जायेगी, जिसके लिए धनराशि अवमुक्त की जा रही है। कार्य पर मदवार स्वीकृत आगणन के अनुसार उतना ही व्यय किया जाय, जितनी विस्तृत आगणन में धनराशि स्वीकृत की गयी है।
- xvii. निर्माण कार्य के अन्तर्गत नियत किये गये मदों व उद्देश्यों के क्रियान्वयन की प्रगति की

- समय-समय पर समीक्षा की जाय तथा निर्माण कार्यो की लागत एवं समय में वृद्धि किसी भी दशा में न होने पाय, यह सुनिश्चित किया जाय।
- xviii. यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि योजना की निर्धारित अवधि वित्तीय/भौतिक लक्ष्यों एवं लक्षित आउटपुट व आउटकम के अनुसार ही प्रगति हो रही है और उसमें कोई विचलन नहीं हो रहा है। योजना की नियमित व आवधिक समीक्षा समय-समय पर कर ली जाय।
- xix. प्रश्नगत कार्यो हेतु पूर्व में स्वीकृत धनराशि का समायोजन करते हुए तदोपरान्त अग्रेत्तर धनराशि अवमुक्त करने संबंधी कार्यवाही की जाये।
- xx. अग्रेत्तर धनराशि उसी दशा में अवमुक्त की जायेगी जब स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जायेगा तथा प्रस्तुत योजनाओं का औचित्य व आंगणन की लागत की उपयुक्तता इत्यादि को सुनिश्चित करने का दायित्व महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तराखण्ड कार्यालय का होगा।
- xxi. धनराशि व्यय करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि प्रस्तावित कार्यो हेतु किसी अन्य योजना से धनावंटन न किया गया हो। **Duplicacy** की स्थिति में संबंधित का उत्तरदायित्व निर्धारित कर नियमानुसार अनुशासनिक कार्यवाही सम्पन्न करते हुए शासन को भी तत्काल अवगत कराया जाय।
- xxii. वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन संख्या-475/xxvii(7)/20108 दिनांक 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर संबंधित कार्यदायी संस्था के साथ एमओयू अवश्य हस्ताक्षरित करा लिया जायेगा तथा उक्तानुसार निर्धारित समय सारणी के अनुसार कार्य पूर्ण कराते हुए शत प्रतिशत भौतिक प्रगति व आख्या शासन को समयबद्ध अवश्य प्रस्तुत की जाय।
- xxiii. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय आवश्यकतानुसार एवं समस्त संगत वित्तीय नियमों के अनुसार किया जायेगा। धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा जिसके लिए स्वीकृत किया जा रहा है तथा धनराशि को पीओएलओ/डिपॉजिट खाते/बचत खाते/डाक घर में नहीं रखा जायेगा।
- xxiv. स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय तथा एक मद की धनराशि दूसरे मद में कदापि व्यय न की जाय। मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं होगा।
- xxv. प्रश्नगत धनराशि का आहरण एवं व्यय नियमानुसार मितव्ययता को ध्यान में रखकर आवश्यकता के अनुरूप ही किया जाये एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक कदापि व्यय न की जाये और न अधिक व्यय भार सृजित किया जाय।
- xxvi. किसी भी शासकीय व्यय हेतु **Procurement Rules, 2017** यथासंशोधित 2019 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग-1 (लेखा नियम), आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) व वित्त विभाग के शासनादेश सं०-193/XXVII(1)/2012 दिनांक 30.03.2012 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- xxvii. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाये।
- xviii. कार्य करते समय टेण्डर विषयक नियमों का भी अनुपालन किया जाय। यदि टेण्डर करने में कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति की लागत से कम लागत पर पूर्ण होता है तो ऐसी समस्त बचतों को प्रचलित वित्तीय नियमों के अनुसार राजकोष में जमा किया जाना सुनिश्चित किया जाये।
- xxix. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- xxx. कार्य की गुणवत्ता परीक्षण हेतु थर्ड पार्टी चैकिंग व्यवस्था नियोजन विभाग के माध्यम से सुनिश्चित

की जायेगी।

- xxxi. विस्तृत आंगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- xxii. विभागाध्यक्ष/सक्षम अधिकारी द्वारा प्लान, स्ट्रक्चरल डिजाइन एवं विशिष्टियों पर हस्ताक्षर अवश्य किये जायेंगे, ताकि भविष्य में प्लान, डिजाइन या विशिष्टियों में कार्यदायी संस्था या Contractor के स्तर से परिवर्तन कर कार्य की गुणवत्ता प्रभावित की प्रवृत्ति को रोका जा सके।
- xxiii. स्वीकृत की जा रही धनराशि का मासिक व्यय विवरण, उत्तराखण्ड बजट मैनुअल में निर्धारित प्रपत्रों एवं निर्देशों के अनुसार व्यवस्थित करते हुए आहरण वितरण अधिकारी द्वारा नियमित रूप से शासन को प्रेषित किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय की सूचना निर्धारित प्रारूपों पर विभागाध्यक्ष, वित्त विभाग एवं शासन को ससमय उपलब्ध करायी जाय।
- xxiv. आंगणन में जिन मदों की दरें शिड्यूल ऑफ रेट्स में उपलब्ध नहीं हैं उन मदों की सामग्री की दरों को जैम/बाजार से नियमानुसार प्राप्त करते हुए दर विश्लेषित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन के उपरान्त ही इन मदों का कार्य किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाय।
- xxv. स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन कदापि न किया जाये। प्राविधानों एवं नियमों का अनुपालन न करने तथा स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन करने पर सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाय।
- xxvi. स्वीकृत विस्तृत आंगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आंगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाय।
- xxvii. मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के आदेश संख्या-2047/XIV-2/(2006), दिनांक 30.05.2006 एवं पत्राक संख्या-14910/XXVII(7)/E-20109/2022 दिनांक 25.08.2023 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय अथवा आगणन गठित करते समय निर्गत निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- xviii. व्यय में मितव्ययिता के दृष्टिगत वित्त विभाग के शासनादेश सं0-201358/09(150)/2019/XXVII(1)/2024 दिनांक 22.03.2024, शासनादेश सं0-1/67149/2022 दिनांक 29.09.2022 एवं समय-समय पर निर्गत अन्य समस्त शासनादेशों/आदेशों/वित्तीय नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।
- xxix. यदि विभिन्न मदों में स्वीकृत धनराशि अवशेष रहती है, तो उक्त धनराशि को राजकीय कोष में तत्काल जमा किया जायेगा।
  - xl. कार्य के आंगणन में सम्मिलित की जा रही GST देयता में प्राविधानित मदों की धनराशि पर वास्तविक एवं नियमानुसार व्यय सुनिश्चित किया जाय उक्त मद में व्यय की जाने वाली धनराशि पर भिन्नता हेतु महानिदेशक/राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन/कार्यदायी संस्था स्वयं जिम्मेदार रहेंगे।
  - xli. कार्य प्रारम्भ से पूर्व प्रस्तावित समस्त कार्य योजना की मृदा परीक्षण व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट प्राप्त कर ली जाय।
  - xlii. प्रक्रियात्मक कार्यों हेतु स्वीकृत धनराशि को विस्तृत आगणन की अनुमोदित धनराशि में समायोजित किया जायेगा।
  - xliii. अवमुक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र तथा निर्माण कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की सूचना संगत फोटोग्राफ्स सहित यथासमय विभागाध्यक्ष, संबंधित मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं विभागीय अभियन्ता द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर शासन को उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही द्वितीय किस्त अवमुक्त की जायेगी।

- xliv. परियोजना हेतु पूर्व में अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष कार्य की धीमी प्रगति के फलस्वरूप उत्पन्न पार्किंग आफ फण्ड की स्थिति से प्राप्त ब्याज को कार्यदायी संस्था द्वारा राजकोष में जमा कराया जायेगा तथा साक्ष्य महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य के माध्यम से शासन को उपलब्ध कराया जाय।
- xliv. धनराशि कार्यदायी संस्था को यथाशीघ्र उपलब्ध कराने के पश्चात् महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जनपद स्तर पर भी कार्य की प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुए कार्य को अनुबन्ध में निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाय।
- xlvi. उत्तराखण्ड शासन के कार्यालय ज्ञाप संख्या-290/XXVII(7)/2012, वित्त अनुभाग-7 (वे०आ०-सा०नि०) दिनांक 19 अक्टूबर, 2012 का भी कार्य सम्पादन करने से पूर्व संज्ञान लेते हुए कार्य किया जाय।
- xlvi. कार्यदायी संस्थाओं द्वारा उपयोगिता प्रमाण पत्र के साथ ब्याज के सम्बन्ध में वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-I/161831/2023 दिनांक 16 अक्टूबर 2023 में प्रदत्त निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
- lviii. अवमुक्त की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31.03.2025 तक कर लिया जायेगा। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष अद्यतन रंगीन छायाचित्र सहित वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- xlix. प्रश्नगत कार्य का आंगणन भविष्य में किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा।
2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय का वहन चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्यय में अनुदान संख्या 07 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 4059-लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय 80-सामान्य 800-अन्य भवन 01-केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना 05-विभिन्न विभागों में अवस्थापना कार्य 53-वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
3. यह आदेश वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3 की कम्प्यूटर जनित संख्या. I/282836/2025 दिनांक 17.03.2025 में प्रदत्त सहमति के क्रम में जारी किया जा रहा है।

भवदीय,

Signed by

Rajan Rajesh Kumar

Date: 17-03-2025 17:50:33

(डॉ० आर० राजेश कुमार)

सचिव।

संख्या एवं तिथि तदैव।प्रतिलिपि: - निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, महालेखाकार भवन, कौलागढ़, देहरादून।
2. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. निदेशक, कोषागार, 23 लक्ष्मी रोड, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. वित्त निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. मुख्य चिकित्साधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
7. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
8. सम्बन्धित कार्यदायी संस्था द्वारा स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।

10. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-1/3, उत्तराखण्ड शासन।
11. ☒ माड फाईल।

आज्ञा से,

Signed by

Anand Srivastava

Date: 17-03-2025 17:57:59

(डा० आनन्द श्रीवास्तव)

अपर सचिव।

**बजट आवंटन वित्तीय वर्ष (2024 - 2025 )**  
**Secretary-Secretary, Finance(S013)**  
**HOD-Director General Medical Health Welfare(2671)**

आवंटन पत्र संख्या -  
अनुदान संख्या -007

आवंटन आई डी-S25030070018  
आवंटन पत्र दिनांक-11-MAR-2025

लेखा शीर्षक 4059-लोक निर्माण कार्य पर पूँजीगत  
परिव्यय  
800-अन्य भवन  
05-विभिन्न विभागों में अवस्थापना कार्य

80-सामान्य  
01-केंद्र सहायतित योजना

Voted

4	0	5	9	8	0	8	0	0	0	1	0	5
मानक मद का नाम				पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	अब तक का व्यय				योग		
53-वृहद निर्माण				115000000	100000000	0				215000000		
योग				115000000	100000000	0				215000000		

**Total Current Allotment To HOD In Above Schemes-Rs.10,00,00,000 (Rupees Ten Crores Only)**

**Approval Status : APPROVED BY OFFICER**

Signed by

Ahmad Iqbal

Date: 17-03-2025 12:56:52